स्वीडन के राजा व रानी।

स्वीडन के राजा ने की मां गंगा की विशेष पूजा, खूबसूरत वादियों के हुए मुरीद

संवाददाता देहरादून। स्वीडन के 16 वें नरेश कार्ल गुस्ताफ और रानी सिल्विया गुरूवार को उत्तराखंड के दौरे पर पहुंचे हैं। प्रोटोकॉल मंत्री डा. धनसिंह रावत ने जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। इसके बाद वे ऋषिकेश के रामझूला पर भ्रमण के लिए गए। यहां पर वे रामझूला पुल पर पैदल चलकर नाव घाट पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पुल पर कुछ देर रुककर मां गंगा की मनोहर छटा निहारी।

यहां पर उन्होंने नागपुर से आई महिला पुरोहित दया व्याघ्र ने पूजा अनुष्ठान कराया। करीब आधे घंटे धार्मिक अनुष्ठान के बाद राजा और रानी पर्यावरण कार्यकर्ता रिद्धिमा पांडेय व उनकी सहयोगी बालिकाओं से बात की। राजा ने बच्चों से गंगा स्वक्षता और पर्यावरण संरक्षण पर हो रहे प्रयासों के बारे में करीब 15 मिनट वार्ता की। इसके बाद वे हरिद्वार के लिए रवाना हो गए। यहां उन्होंने 14 एमएलडी सीवर शोधन संयंत्र (एसटीपी) का लोकार्पण किया। इसके बाद उन्होंने वहां लगी प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

हरिद्वार में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का किया लोकार्पण

स्वीडन के किंग, क्वीन, मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री व पर्यटन मंत्री ने किया उद्घाटन

उद्घाटन

संवाददाता

देहरादून। स्वीडन के किंग कार्ल–16 गुस्ताफ, क्वीन सिल्विया, मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत, केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत व उत्तराखंड के पर्यटन मंत्री श्री सतपाल महाराज की उपस्थिति में हरिद्वार में नमामि गंगे के अंतर्गत 41.40 करोड़ रूपए की लागत स हाईब्रिड एन्यूटी फाईनेंस मॉडल पर आधारित 14 एमएलडी क्षमता के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का लोकार्पण किया गया। किंग कार्ल 16 गुस्ताफ ने कहा कि उन्हें यहां आकर बहुत ही प्रसन्नता हो रही है। भारत एवं भारत के लोगों में बहुत सी सम्भावनाएं हैं। उन्होंने गंगा नदी के संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिये किये जा रहे प्रयासों को सराहनीय बताते हुए नमामि गंगे प्रोजेक्ट की सफलता की कामना की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भारत में

हरिद्वार में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के लोकार्पण के मौके पर स्वीडन के किंग कार्ल–16 गुस्ताफ, क्वीन सिल्विया व सीएम त्रिवेन्द्र।

प्रकृति और वन्यजीवन के संरक्षण के लिए किये जा रहे प्रयासों से प्रकृति के संरक्षण में सहायता मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने स्वीडन के किंग कार्ल 16 गुस्ताफ का उत्तराखण्ड आगमन पर स्वागत एवं अभिनन्दन करते हुए कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गंगा की निर्मलता एवं अविरलता के क्षेत्र में ठोस पहल हुई। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार जलीय जीवों के लिए गम्भीरता से प्रयास कर रही है, जिसके अच्छे परिणाम देखने को मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इतने कम समय में गंगा की निर्मलता के लिए सराहनीय कार्य हुए हैं। खेतों में प्रयोग किए जाने वाले रसायन का गंगा के प्रदूषण में महत्वपूर्ण भाग है, जिसे रोकने की जरूरत है। गंगा की निर्मलता को बनाये रखने के लिए औद्योगिक कचरे के उपचार की नितान्त आवश्यकता है। साथ ही, कृषि में इस्तेमाल होने वाले रसायनों के प्रयोग को अत्यधित न्यून करने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने अपने आस–पास के नदी–नालों को स्वच्छ रखने में आमजन के सहयोग की अपील करते हुए कहा कि हमें सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग को बंद करके अपने प्रदेश के साथ ही देश को स्वच्छ बनाने में अपना सहयोग देना चाहिए।

केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने स्वीडन के किंग कार्ल 16 गुस्ताफ एवं क्वीन सिल्वा का देवभूमि उत्तराखण्ड में स्वागत करते हुए कहा कि यह देवभूमि विश्व प्रसिद्ध पावन नदी गंगा का उद्गम स्थल भी है। उन्होंने कहा कि गंगा नदी भारत के 32 प्रतिशत भूभाग को सिंचित करती है और भारत की लगभग 42 प्रतिशत जनसंख्या को आजीविका का साधन उपलब्ध कराती है। केन्द्रीय मंत्री श्री शेखावत ने कहा कि गंगा नदी के संरक्षण के साथ ही स्वच्छ एवं अविरल बनाये रखने के लिए भारत सरकार द्वारा नमामि गंगे प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। इस अभियान के अच्छे परिणाम देखने को मिल रहे हैं। पृथ्वी की ईकोलॉजी एवं स्वस्थ नागरिक जीवन के लिए प्रोपर वेस्ट मैनेजमेंट की बहुत ही आवश्यकता है।

चमोली और अल्मोड़ा में बनाए जाएंगे बंदरबाड़े

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

- सदन में बताया कि सरकार द्वारा प्रदेश में दो बंदरबाड़े बनाए जाएंगेः रावत
- पर्वतीय क्षेत्रों में बंदरों द्वारा फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया जा रहा हैः कंडारी

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा सत्र के दूसरे दिन सदन में प्रश्नकाल सुचारू रूप से चला। विपक्ष के साथ ही सत्ता पक्ष के सदस्यों ने भी अपने क्षेत्रों से संबंधित समस्याओं के सवाल उठाए। बंदरों के आतंक से लोगों को निजात दिलाने के बाबत पूछे गए एक सवाल के जवाब में वन मंत्री डा. हरक सिंह रावत ने सदन में बताया कि सरकार द्वारा प्रदेश में दो बंदरबाड़े बनाए जाएंगे। इनमें एक बंदरबाड़ा गढ़वाल मंडल में चमोली में और दूसरा कुमांऊ मंडल में अल्मोड़ा में बनाया जाएगा।

प्रश्नकाल में देवप्रयाग के भाजपा विधायक विनोद कंडारी ने पर्वतीय क्षेत्रों में बंदरों की समस्या का मामला उठाया। उनका कहना था कि पर्वतीय क्षेत्रों में बंदरों द्वारा फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया जा रहा है जिस कारणों किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस पर वन मंत्री डा. हरक सिंह रावत ने बताया कि बंदरों की समस्या के निराकरण के लिए हिमाचल प्रदेश की तर्ज पर पूर्व से ही प्रदेश में तीन स्थानों चिड़ियापुर, रानीबाग व अल्मोड़ा में बंदरबाड़े बनाए गए हैं, जिनमें बंदरों के बंध्याकरण की कार्यवाही की जा रही है, साथ ही विभिन्न प्रभागों के स्तर से बंदरों को पकड़कर घने वनों में छोड़ा जा रहा है।

7 हजार से अधित बन्दरों का बंध्याकरण किया जा चुका है। सरकार ने पहली बार बन्दरों से हुए नुकसान को आपदा में रखा है। आपदा मद से धनराशि वन विभाग द्वारा दी जाएगी। वन मंत्री ने बताया कि चमोली और अल्मोड़ा में बड़े बंदर बाड़े बनाए जा रहे हैं। हिमाचल की तर्ज पर बन्दर मारने की केंद्र से परमिशन मांगी गई है। वन विभाग में जल्द ही 27 वेटरनरी डॉक्टर्स के पद सृजित किए जा रहे हैं।

होण्डा का राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान पहुंचा ऋषिकेश

संवाददाता ऋषिकेश। आने वाले कल के लिए भारतीय सड़कों को दुर्घटना मुक्त बनाने के प्रयासों में योगदान देते हुए होण्डा मोटरसाइकल एण्ड स्कूटर इण्डिया प्रा लिमिटेड ने ऋषिकेश में अपने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया। मॉडर्न इन्सटीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में आयोजित इस कार्यक्रम में 2000 से अधिक कॉलेज छात्रों को सड़क सुरक्षा के बारे में जागरुक बनाया गया। तीन दिनों तक आयोजित होण्डा के राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा जागरुकता कार्यक्रम ने छात्रों को सड़क सुरक्षा का महत्व समझने में मदद की, फिर चाहे वे सड़क पर चलने वाले पैदल यात्री हों या दोपहिया चालक या चार–पहिया वाहन चलाने वाले। एक साल पहले इस सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम की राष्ट्रीय स्तर पर शुरूआत किए जाने के बाद होण्डा 2 व्हीलर्स इण्डिया 130 शहरों के 2.60 लाख से अधिक स्कूल एवं कॉलेज छात्रों को सड़क सुरक्षा पर शिक्षित बना चुकी है।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

न्यूज डायरी

सोलर पम्प लगाने को मिलेगा लागत का 50 प्रतिशत केन्द्रांश व 30 प्रतिशत राज्यांश

संवाददाता हरिद्वार। अधिशासी अभियंता लघु सिंचाई खण्ड हरिद्वार ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाअभियान कार्यक्रम योजना के अंतर्गत ऐसे कृषक जिनके द्वारा वर्तमान में ऑफ ग्रिड एरिया में डीजल पम्प से सिंचाई की जा रही है, को डीजल पम्प के स्थान पर 7.5 एचपी तक साईज के सोलर पम्प की स्थापना के लिए सोलर पम्प की लागत का 50 प्रतिशत केन्द्रांश व 30 प्रतिशत राज्यांश अनुमन्य किया गया है। शेष 20 प्रतिशत धनराशि कृषक द्वारा स्वयं वहन की जाएगी। जो भी कृषक ऑफ ग्रिड एरिया में सोलर पम्प लगवाना चाहते हैं, वह अपना प्रस्ताव तैयार कर, 20 प्रतिशत धनराशि कृषक द्वारा वहन किये जाने का शपथ पत्र अपने संबंधित विकासखण्ड कार्यालय, सहायक अभियंता लघु सिंचाई उपखण्ड हरिद्वार/रूड़की कार्यालयों को उपलब्ध करा दें।

पंडा पुरोहित समाज को विश्वास में लेकर श्राइन बोर्ड पर आगे बढ़े सरकारः कांग्रेस

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने राज्य के चारों धामों व मंदिरों को श्राइन बोर्ड के अंतर्गत लाने की त्रिवेंद्र सरकार के निर्णय की आलोचना करते हुए मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत से मांग की कि श्राइन बोर्ड पर आगे बढ़ने से पहले धामों व मंदिरों की व्यवस्था से सदियों से जुड़े लोगों के हक हुकूक व उनके सुझाव पर विचार करने व उनको विश्वास में लेने के बाद ही आगे बड़े। उन्होंने कहा कि सरकार अपनी मनमानी व जिद्द छोड़ कर पंडा पुरोहित समाज से बातचीत कर मामले को सुलझाना चाहिए।

किआ मोटर्स ने भारतीय विनिर्माण सुविधा की औपचारिक शुरुआत की

संवाददाता देहरादून। किआ मोटर्स कॉर्पोरेशन ने आज जिला अनंतपुर, आंध्रप्रदेश में अपनी नई भारतीय उत्पादन इकाई की शुरुआत की। किआ द्वारा 1.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश के बाद किआ मोटर्स इंडिया (केएमआई) का यह नया विनिर्माण संयंत्र अब पूरी तरह से कार्यशील हो गया है। इसका भव्य उद्घाटन समारोह 2017 की चौथी तिमाही में इसका निर्माण कार्य शुरू होने के ठीक दो सालों के बाद आयोजित किया गया। केएमआई संयंत्र किआ के पहले 'मेड इन इंडिया' उत्पाद, सेल्टोस कॉम्पैक्ट एसयूवी का उत्पादन स्थल है, जिसके बाद भविष्य में दो अन्य मॉडल भी प्रस्तुत होने वाले हैं।